पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

————————

राज्यपाल की अध्यक्षता में जनपद कानपुर के छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में आंगनवाड़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

————————

जीवन में नियम, संयम, स्वच्छता, सदाचार, सक्रियता एवं संस्कार आने वाली पीढ़ियों में भरना हमारा कर्त्तव्य

————————

आंगनवाडी केन्द्रों को सीमित संसाधनों में माडल के रूप में करें स्थापित

————————

आंगनवाडी कार्यकत्री जितना सक्रिय रहेंगी, उतना उनके नियंत्रण में पलने वाले बच्चे सक्रिय बनेंगे

—राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

————————

लखनऊ : 29 सितम्बर, 2023

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज जनपद कानपुर के छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के सभागार में आंगनवाड़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जनपद कानपुर देहात के 100 एवं कानपुर नगर के 60 आंगनवाडी केन्द्रों को सुविधा संपन्न बनाने हेतु आवश्यक वस्तुओं का किट वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि महिलाओं द्वारा सार्वजनिक जीवन में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और लगन के साथ किया जाता है। आंगनवाडी कार्यकत्रियों की भूमिका को इसी सन्दर्भ में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश में विश्वविद्यालय एवं आंगनवाडी केन्द्रों को जोड़ने की मुहिम की शुरुआत की गयी थी, जिससे आंगनवाड़ी केंद्र अपनी भूमिकाओं को और प्रभावशाली बना सकें। इस पहल में हम सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती तकनीकी ने हमें इस बात का ज्ञान करा दिया है कि बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास के लिए किन उपयोगी चीजों की आवश्यकता होती है। राज्यपाल जी ने अपने जर्मनी भ्रमण के दृष्टान्त को साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार वहां पर जन्म से लेकर पालन पोषण तक बच्चों की शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं को परखने के पश्चात् उनकी देखभाल की जाती है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों के भवनों को बच्चों की सुविधानुसार बनाया जाना चाहिए।

राज्यपाल जी ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों को अधिक से अधिक सुविधा युक्त बनाने हेतु सी०एस०आर० फण्ड का प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने हेतु जो भी कार्यक्रम आयोजित हों उनका संचालन बच्चों के द्वारा कराया जाना चाहिए, जिससे उनके अंदर की प्रतिभा निखर कर सामने आ सके। उन्होंने वरिष्ठजनों एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को बच्चों को बाल्यकाल से ही मूलभूत संस्कारों के रूप में स्वच्छता, पेयजल संरक्षण, समय का मूल्य और आत्मनिर्भरता के विकास हेतु प्रेरित करने को कहा। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की सक्रियता बच्चों को भी सक्रिय बनाएंगी।

राज्यपाल जी ने कहा कि माँ का दूध औषधि युक्त व् अमृत तुल्य है, इसलिए मातायें अपने नवजात शिशु को प्रथम घंटे में स्तनपान अवश्य करायें। उन्होंने कहा कि बच्चे शुद्ध भाषा का प्रयोग करें इस हेतु सभी आंगनवाडी कार्यकत्रियों को वर्ष में एक बार 10 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन भी किया जाना चाहिए। बच्चों में सीखने का जज्बा होना चाहिए, अगर व्यक्ति के अन्दर जज्बा है तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों का भविष्य आपके हाथ में है और आपकी जिम्मेदारी है कि अपनी इस भूमिका का आप तत्परता के साथ निर्वहन करें।

इस अवसर पर मा० राज्यमंत्री, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, प्रतिभा शुक्ला द्वारा अपने संबोधन में आंगनवाड़ी केन्द्रों को प्री नर्सरी के रूप में विकसित किये जाने, सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पोषण वाटिका की स्थापना करने व सजगता से कार्य करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर आंगनवाडी कार्यकत्रियों को राज्यपाल जी द्वारा किट वितरण व 5 हजार रुपये के चेक का वितरण किया गया। इस दौरान राज्यपाल जी द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा किये गए एक सर्वेक्षण पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया, जो कि वितरित की जाने वाली किट से बच्चों के व्यवहार व् कुशलता में आने वाले बदलाव को प्रदर्शित करती है। कार्यक्रम उपरान्त समस्त आंगनवाडी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर समारोह में स्थानीय अतिथिगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं शिक्षकगण तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं।

————

डा0 सीमा गुप्ता/कृष्ण कुमार
सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361